महामहिम राज्यपाल श्री रामनरेश यादव का लक्ष्मीपति इंस्टीटयूट ऑफ सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित द्वितीय इंटर स्कूल एथलेटिक्स मीट के उद्घाटन समारोह मे उद्बोधन

स्थान : भोपाल दिनांक : 04 जनवरी, 2013 समय : प्रात: 10 बजे

शारीरिक, मानसि द्धिक क व बौविकास तथा प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित करने के उददेश्य से लक्ष्मीपति इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित दूसरी इंटर स्कूल एथेलेटिक्स मीट के कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे अत्याधिक प्रसन्नता है।

श्री बंसल जी द्वारा 2007 में शिक्षा को नए आयाम देने की दृष्टि से सुरे फाउंडेशन समिति का गठन किया । फरवरी 2008 को लक्ष्मीपति इंस्टीटयूट ऑफ सांइस एंड टेक्नोलॉजी की नींव रखी गयी। इस संस्थान में इंजीनियरिंग और एमबीए के कोर्स हैं। प्रसन्नता की बात है कि आने वाले सत्र में बीए और बीकाम का कोर्स भी आरम्भ हो रहा है और डेंटल कॉलेज का भी प्रस्ताव है।

मुझे जानकारी मिली है कि लक्ष्मीपति कॉलेज ही एक मात्र ऐसा कॉलेज है जिसमें 400 मीटर का एथलेटिक ट्रैक का निर्माण राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर कराया गया है। इस महाविद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय समय पर विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता रहा है।

खुशी की बात है कि विगत वर्ष संस्थान ने इंटर स्कूल एथेलेटिक्स मीट का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 700 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अब यहां दूसरा इंटर स्कूल एथेलेटिक्स मीट हो रही है जिसमें भोपाल के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1000 विधार्थी भाग ले रहे हैं।

बच्चों ! मैं समझता हूं कि यह आयोजन एक खेल मात्र ही नहीं है। बल्कि देश की युवा तरूणाई को यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि खेलों से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है।

ऐसा आयोजन मित्रता स्थापित करने एवं चरित्र निर्माण में सहायक होता है। सामंजस्य एवं सहनशीलता स्थापित करने का अवसर भी प्रदान करता है। कुशल प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। खेल हमारे जीवन को सन्तुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं। इतना ही नहीं, आज वाणिज्य एवं उद्योग के क्षेत्र में भी प्रबन्धन एवं नेतृत्व कौशल में खिलाड़ियों का महत्व बढ़ा है।

अकादमिक गतिविधियों में व्यस्त छात्रों का कोमल मन व्यथित न हो, हमेशा स्फूर्तिवान बना रहे, क्योंकि आज के युवा ही देश के भावी कर्णधार हैं। इस भावी पीढ़ी को खेल आयोजन के जरिए फलने-फूलने एवं विकसित होने का उचित अवसर प्रदान करना ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

छात्रों के लिए जितना अध्ययन आवश्यक है, उतना ही खेलना भी। इससे शारीरिक शक्ति की ही वृद्धि नहीं होती, अपितु छात्रों की मानसिक, शक्ति का भी विकास होता है। उनमें संकल्प की दृढ़ता, संगठन की क्षमता और अनुशासन-प्रियता बढ़ती है। खेलों के प्रति छात्रों की अभिरूचि जागृत करने के लिये शिक्षण संस्थाओं और सामाजिक संगठनों तथा अन्य संस्थानों द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। विद्यार्थी इनमें अपनी-अपनी अभिरूचि के अनुसार भाग लेते हैं।

इन खेलों से मनुष्य में अनेक उदात्त भावनाओं का जन्म होता है, जिससे वह जीवन संग्राम में सफलता प्राप्त करता हुआ जीवन के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति करता है।

इन्हीं खेलों की तरह जीवन भी एक खेल है। उसे सफलतापूर्वक खेलना, जय और पराजय में समान रहना, यह हमें ये खेल ही सिखाते हैं।

मुझे आशा है कि इस प्रतियोगिता से खिलाड़ी उभरकर आएंगे जो राष्ट्रीय स्तर ही नहीं, अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी भोपाल का नाम रोशन करेंगे।

जय हिन्द,जय भारत।।